15वे डेल्ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2015 में

स्थायी विकास और जलवायु परिवर्तन पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। राज्य प्रमुख व नोबेल विजेता और विशेषज्ञ 15वें डेल्ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2015 में विश्व के प्रमुख मुद्दों और उनके समाधान खोजने हेतु एकत्रित हुए। द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट के इस आयोजन ने ''स्थायी विकास और जलवायु परिवर्तन'' जो की इस वर्ष के आयोजन का प्रमुख विषय है, पर संवाद के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान किया। डेल्ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2015 का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योकि इसमें विकास के कई मुद्दे मूर्त रूप लेंगे। संयुक्त राष्ट्र साधारण सभा द्वारा सितम्बर 2015 में नए लक्ष्य निर्धारित किये जाने है और जलवायु समझौता वार्ता (कॉफ्रेंस ऑफ़ पार्टीज) जो इस वर्ष में पेरिस में होना है।

द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट के मुख्य निदेशक डॉ. आर के पचोरी, ने बताया कि, आई.पी. सी. सी. की रिपोर्ट ने से पता चला है कि यदि हमने त्वरित कार्यवाई नहीं की तो इसके भविष्य में इसके परिणाम विनाशकारी होगें। परन्तु जलवायु परिवर्तन मिश्रित लाभ के अवसर भी प्रदान करती है स्वच्छ और वहनीय ऊर्जा जैसे सौर एवं वायु ऊर्जा में निवेश ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को नियंत्रित कर सकता है और स्व%छ परिवहन व्यवस्था जैसे रेल और साइकिल वायु प्रदुषण से जन स्वास्थ्य को सुधार सकते है। डेल्ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट और द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट को पुरे विश्व से मिलने वाले सहयोग की पुष्टि करता है ।

श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय राज्य मंत्री-पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, ने बताया कि विकास की व्यवस्था में कई जगह असमानता हो रही है और इस मुद्दे को इस विकास वार्ता में उठाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अनुसार ''जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ते दबाव में हम प्रभावित हो रहे है और आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुधारना हमारा दायित्व है। हम क्लिन एनर्जी के रास्ते को अपना चुके है, हमने नवीनकरणीय ऊर्जा की अपनी वचनबद्धता को बढ़ाया है और स्मार्ट शहरों की शुरुआत की है।''